209 802 5000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

[illegible] भारतीय [illegible] 1899 [illegible] 23 I A with the Permission by S.D.O Simdega vide Case NO 79/2010-11 order dated 16.7.2010

28.7.10

28.7.10

§1§ लेख्यकारी:- श्री जोन लकड़ा पिता स्व0 फ्रांसिस लकड़ा जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा टांगटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

...... बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 552/2010

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

(2) लेख्यधारिणी:- श्रीमती अमासी लकड़ा पति श्री हीरालाल लकड़ा, जाति- उराँव, पेशा- गृहिणी, निवास ग्राम- सिमडेगा बाजारटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 553 | 2010

(3) लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

(4) मूल्य:- मोबलिग दो लाख एकतीस हजार रूपये अंके 2,31,000/- रूपये होता है ।

(5) सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- गोतरा टांवठाटोली, थाना- सिमडेगा, थाना नं० 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं० 158 (एक सौ अनठावन) प्लॉट नं० 1684 (सोलह सौ चौरासी) रकबा 0·80 एकड़ में से 0·10 एकड़ (दस डिसमिल) यह जमीन व्यवसायिक नहीं है पूर्णत: आवासीय है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- टांड़ इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता,

दक्षिण:- टांड़ इसी प्लॉट का अंश इग्नेस खड़िया,

1000Rs.

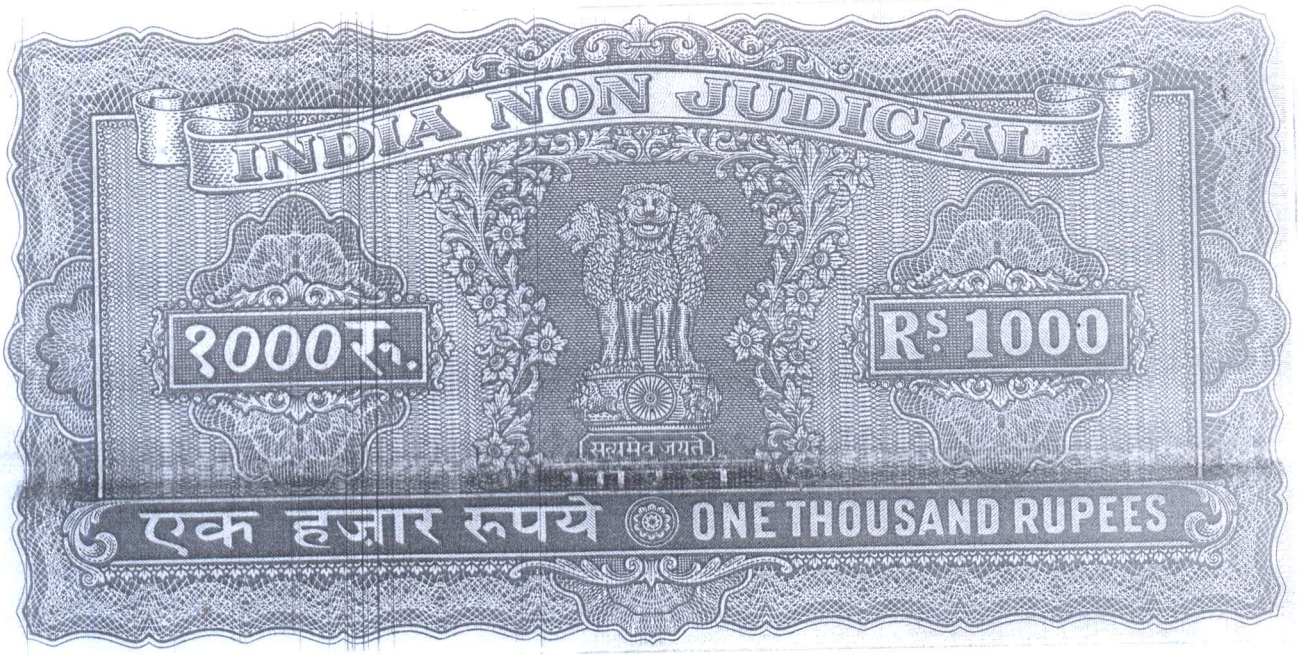

पूरब :- टाड़ निलुम उराँव,
पश्चिम:- पक्की सड़क ।
मालगुजारी 5 पैसा (पाँच पैसा) अलावे सेस सलाना ।

(1) चुँकि मुझ लेख्यकारी को बीमारी का इलाज कराने एवं अन्य दीगर अरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

(2) इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

(3) मै प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खतियानी है । खतियान में मेरे परदादा बंधु उराँव वगैरह के नाम से नाप दर्ज है । मालगुजारी रसीद फ्रांसिस लकड़ा वगै० के नाम से कटता है । मेरे दादा एवं पिताजी की मृत्यु हो चुकी है । उनकी मृत्यु के बाद

1000Rs.

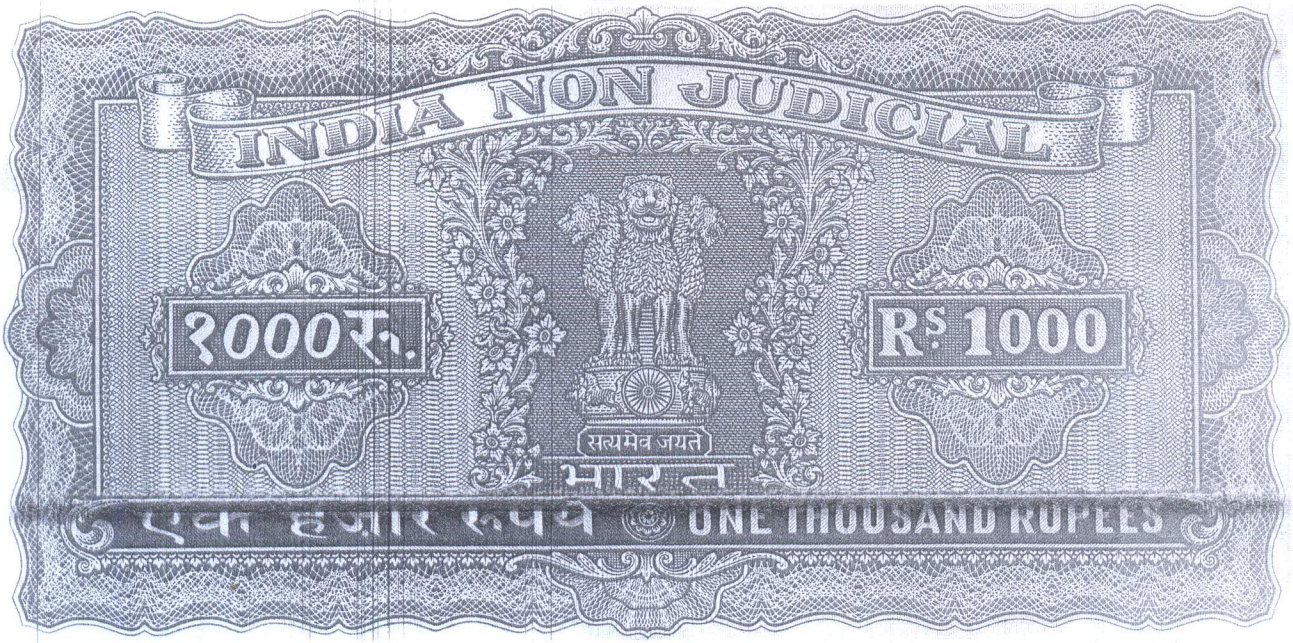

जमीन का आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा हो चुका है । जो जमीन मैं बेच रहा हूँ मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है ।

§4§ चुँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य है अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 79/2010-11 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 16·7·2010 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 653§11§ दिनांक 16·7·2010 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु.   Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये   ONE THOUSAND RUPEES

—5—

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

ओम प्रकाश
28-7-010

ओम प्रकाश
28-7-010

प्रमाणित किया जाता है कि ओम प्रकाश ने अपने बायें हाथ के पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष दिया।

[signature]
Adv.
28-7-10

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही श्रीमती आमासी [illegible]
[illegible]
28.7.10

Attested
Zakee Ahmed
Adv.
28.7.10

प्रमाणित किया जाता है कि आमासी [illegible] ने अपने बायें हाथ के पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने दिया।

Zakee Ahmed
Adv.
28.7.10

--7--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- Zakee Ahmed
Adv.
28.7.10

(प्रारूपकर्त्ता)

तारीख:-

100Rs.

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल आठ पृष्ठों में कुल 596 शब्द टंकित है जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक

मो० मकसुद
28-7-2010

मो० मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।